अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

आचार्य श्री कालूगणी – 30

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों का एक वाक्य में उत्तर दीजिए। 5

(क) कालूगणी का आचार्य बनने के पश्चात् प्रथम मातृ मिलन कहाँ हुआ?

(ख) युवाचार्य पद की नियुक्ति का पत्र कितने समय तक डालगणी के पुट्ठे में रहा?

(ग) आचार्य कालूगणी न्यायशास्त्र की कौन सी हस्तलिखित प्रति अपने पुट्ठ में रखते थे?

(घ) कालूगणी सन्तों को संस्कृत का कौन सा व्याकरण स्वयं पढ़ाते थे?

(ड.) कालूगणी ने प्रथम मर्यादा–महोत्सव कहाँ किया?

(च) मुनि कुन्दनमलजी ने एक पत्र में सूक्ष्म लिपि द्वारा कितने श्लोक व कितने अक्षर लिखे?

(छ) ''कालूगणी में मुझे एक सहज संत के दर्शन होते हैं।'' यह उद्‌गार किसके हैं?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) बीकानेर में कालूगणी के विरूद्ध प्रचार करने हेतु विरोधियों ने कितनी पुस्तकें निकाली? नाम लिखें।

(ख) अन्तिम शिक्षा के अन्त में कालूगणी ने सेवाओं का अंकन करते हुए कौन–कौन से साधु–साध्वियों का नामोल्लेख किया?

(ग) कालूगणी के दिवंगत होने की बात सुनकर माता छोगांजी ने क्या कहा?

(घ) कालूगणी ने श्लोक द्वारा बाल मुनियों को कौन–कौन सी छह बातें बतायी जिससे मनुष्य तुच्छ बन जाता है।

प्र.3 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 6

(क) आचार्यश्री कालूगणी की मालव यात्रा पर टिप्पणी लिखें।

(ख) ''श्रीसंघ और विलायती'' सामाजिक झगड़े पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें।

(ग) सिद्ध करें कि मुनि कालू में विनय और विवेक का असाधारण मणिकांचन योग था।

प्र.4 किसी एक प्रश्न को विस्तार से लिखें। 14

(क) दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें कि आचार्य कालूगणी संघ की व्यवस्था व अनुशासन के प्रति पूर्ण जागरूक थे।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य कालूगणी ने पूर्वाचार्यों द्वारा किये गये विकास को आगे तो बढ़ाया ही उसे नये आयाम भी दिये।

धर्मचक्र का प्रवर्त्तन – 40

प्र.5 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 8

(क) आंदोलन का विशुद्ध उद्देश्य क्या था?

(ख) परिव्रजन कौन करता है?

(ग) आचार्यश्री तुलसी की मान्यता में सबसे बड़ा तीर्थ कौन सा है?

(घ) आचार्यश्री तुलसी ने दिल्ली–यात्रा के लिए किससे सम्मति मांगी?

(ङ) समस्या के समाधान का सबसे बड़ा सूत्र क्या है?

(च) आचार्य तुलसी ने मुनि जीवन में कितने श्लोक कंठस्थ किए?

(छ) आचार्य तुलसी ने अठारह वर्ष की उम्र में कौन से स्तोत्र की रचना की?

(ज) आचार्य शब्द की उत्पत्ति किससे हुई है?

(झ) आचार्यश्री तुलसी ने जब शासन भार संभाला तब संघ में कितने साधु–साध्वी थे तथा उनसे दीक्षा पर्याय में कितने साधु बड़े थे?

(ञ) आचार्य श्री तुलसी ने माता वंदनाजी के साथ कितने व्यक्तियों को दीक्षित किया?

(ट) आचार्य श्री तुलसी ने प्रार्थना को पुनः चालू कब और कहाँ किया?

(ठ) कालूगणी ने मुनि तुलसी को प्राकृत का कौन सा व्याकरण कंठस्थ करने को कहा?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) विसर्जन को स्पष्ट करने हेतु आचार्यश्री तुलसी ने दो रूपक दिये उनमें से एक को संक्षेप में लिखें।

(ख) आचार्यश्री तुलसी ने बौद्ध, वैदिक व जैन के कौन–कौन से तीर्थस्थलों की यात्रा की?

(ग) चार प्रकार के जलाशय कौन–कौन से हैं? आचार्यश्री तुलसी किस जलाशय के समान हैं?

(घ) अणुव्रत की आचार–संहिता में जातीय एकता की दृष्टि से कौन साव्रत रखा गया है?

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) अणुव्रत के पहले अधिवेशन पर टिप्पणी लिखें।

(ख) आचार्यश्री तुलसी के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालें।

(ग) संघ–व्यवस्था और अनुशासन पर प्रकाश डालें।

(घ) आचार्य तुलसी की पारिवारिक स्थिति पर प्रकाश डालें।

(ड.) कलकत्ता प्रवास में मैत्री–दिवस आयोजन के समय आयी समस्या को आचार्यश्री तुलसी ने कैसे समाहित किया?

प्र.8 कोई एक प्रश्न का विस्तार से उत्तर दीजिए। 15

(क) सिद्ध करें कि आचार्य श्री तुलसी के शासन काल में साहित्य व शिक्षा में चहुर्मुखी विकास हुआ।

(ख) सिद्ध करें कि अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तन ने आचार्य श्री तुलसी को युग धर्म के व्याख्याकार के रूप में स्थापित किया।



प्र.9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) उत्कल करस.....अंगार हो।।

(ख) कीर्तिमान पर.....होग्या साकार हो।।

(ग) चौबी सन्त.....च्यार हो।।

(घ) निकाय व्यवस्था वाला पद्य।

(ङ) ''नए प्रयोग'' का पहला या अन्तिम पद्य।

प्र10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) इक्यासिय.....गणधार हो।।

(ख) जोश संघ रो.....सरकार हो।।

(ग) लल्लूजी री.....तदबीरदार हो।।

(घ) जन्म वाला पद्य।

(ङ) प्रवचन में.....व्यापार हो।।



प्र11 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''महाश्रमणी–महाश्रमण'' वाला पद्य।

(ख) ''शासन कल्पतरू'' वाला पद्य।

(ग) ''जाग्रत धर्म हमारा'' गीत वाला पद्य।

(घ) धम्मगिरी री.....धुंकार हो।।

(ड) जिनमंदिर में.....स्वीकार हो।।